कमांक 406—ज(I)—82/11345—पर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरयाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संघोधन किया गया है) की धारा $2(\mathfrak{v})(1)$ तथा 3(1) के श्रनुसार सींपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरयाणा के राज्यपाल श्री सरदार सिंह, पुत्र श्री श्रन्छर सिंह, गांव रायेवाली, तहसील ,नारायणगढ़, जिला श्रम्बाला को खरीफ, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 121-ज (I)-82/11349.—श्री देवीदान सिंह, पुत्र श्री मोजीराम, गांव सतनाली, तहसील व जिला म हेन्द्रगढ़ की दिनांक 19 अप्रैल, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्यरूप हरियाणा के राज्यनाल, पुर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अनताया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री देवी दान सिंह को मुवलिंग 150 रुपये वाधिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिमूचना कमांक 2462-जे-एन-III-66/6257, दिनांक 14 अप्रैल, 1966 तथा अधिमूचना कमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी अब उसकी विधवा श्रीमती सरती देवी के नाम खरीफ, 1980 से 300 रुपये वाधिक की दिस से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 412-ज (I)-82/11353.--पूर्वी पंजाब पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में द्रपनाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) तथा 3(ए) के श्रनुसार सौंपेंगये श्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती इन्द्र कौर, विद्यवा श्री सन्तोख सिंह,निवासी गोविन्द नगर,श्रम्बाला, जिला श्रम्बाला को रबी, 1981 से 300 रुपये वाषिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहवें प्रदान करते हैं।

कमांक 238-ज-(II)-82/11357.—श्री सुभा चन्द, पुत्र श्री स्योनाथ, गांव मान्डोढी, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक की दिनांक 20 मई, 1981 को हुई म'त्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन विया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सुभा चन्द्र को मुब्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 765-ज-(II)-78/16848, दिनांक 19 जून, 1978 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती केसर को खरीक, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमान 428 ज्(II)-82/11364 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में श्रपना था गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सीपे गये अधिकारों का ध्योग करते हुये हिरियाणा के राज्यपाल श्री द्याराम, पुत्र श्री हीरालाल, गांव रोहना, तहसील व जिला रोहतक की रवी, 1969 से रवी, 1970 तक 100 रुपये खरीफ, 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली एवं जार्गर सनद में दी गई शतीं के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 320-ज(II)-82/11368.—पूर्वी पंजप्त युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपार श्री सरदार सिंह रोहिल, पुत्र गिरधारी लाल रोहिल, गांव दहकोरा, हहसील बहादुरगढ़, जिला रेहतक को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक स्था प्रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 5 सप्रैल, 1982

क्रमांक 401-ज(I)-82/12062 — पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संजोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती मांगों कौर, विधवा श्री अपर सिंह, गांव वराड़ा, तहसील व जिला अम्वाला को खरीफ, 1965 से रबी, 1979 तक 100 रुपये वार्षिक खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 100 रुपये वार्षिक कीमत व ली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।